# पर्यटन अध्ययन

## बीटीएस
## द्वितीय वर्ष

## सत्रीय कार्य पुस्तिका
## (2014)

## टीएस–4 और टीएस–5

पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

# बीटीएस सत्रीय कार्य

## पर्यटन अध्ययन सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको पर्यटन अध्ययन के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है।

सत्रीय कार्य को करने से पहले कृपया पर्यटन अध्ययन की कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। हम आपको टीएस–4 और टीएस–5 के सत्रीय कार्य भेज रहे हैं।

**नोटः सभी सत्रीय कार्यों को समय पर अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर अपनी नामांकन सं., नाम, पता, सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केंद्र कोड लिखें।**

**जमा कराए गए सत्रीय कार्य के बदले में अपने अध्ययन केंद्र से उसकी रसीद प्राप्त कर लें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें।**

मूल्यांकन के बाद, अध्ययन केंद्र द्वारा आपको सत्रीय कार्य वापस भेजा जाना अपेक्षित है। कृपया इसके लिए अनुरोध करें और रिकॉर्ड के रूप में इसे अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों के अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजता है।

### सत्रीय कार्य करने के लिए निर्देश

हम आपसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500–700 शब्दों के बीच देने अथवा जैसा सत्रीय कार्य में उल्लेख किया गया है, के अनुसार देने की आशा करते हैं। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) **योजना बनानाः** सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें किः
   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।
   ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।
   ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3) **प्रस्तुतिः** जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

शुभकामनाओं सहित,

**डॉ.अरविन्द कुमार दुबे**
**कार्यक्रम संयोजक, बीटीएस**

### सत्रीय कार्य जमा कराने की अनुसूची

| अनिवार्य पाठ्यक्रम | जनवरी सत्र के लिए अंतिम तिथि | जुलाई सत्र के लिए अंतिम तिथि |
|---|---|---|
| टीएस–4 | अप्रैल 15, 2014 | अक्तूबर 15, 2014 |
| टीएस–5 | अक्तूबर 15, 2014 | अप्रैल 15, 2015 |

# टीएस 4 : भारतीय संस्कृति : पर्यटन परिदृष्टि

## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

**पाठ्यक्रम कोडः टीएस–4** **कार्यक्रमः बीटीएस**

**कुल अंकः 100** **सत्रीय कार्य कोडः टीएस–4/टीएमए/2014**

---

**नोटः** इस अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।

**भाग I** में दो प्रश्न हैं जिनमें से आपको **एक प्रश्न का उत्तर देना है**। यह प्रश्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग 700 शब्दों में दें।

**भाग II** में आठ प्रश्न हैं। **किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए**। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। **अपने टीएमए को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।**

---

### भाग – I

1. भारत में स्थित हड़प्पा संस्कृति के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों की अवस्थिति की पहचान कीजिए। पुरातात्त्विक स्थल सांस्कृतिक पर्यटन को किस प्रकार बढ़ावा देते हैं। 25

**अथवा**

2. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि भारत में पर्यटन के प्रचार–प्रसार में हस्तशिल्प के उपयोग से शिल्पियों की स्थिति सुधरी है? समुचित उदाहरणों द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। 25

---

### भाग–II

1. ''पर्यटन एवं संस्कृति में अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है''। समुचित उदाहरणों द्वारा इसकी पुष्टि कीजिए। 15

2. भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन के उदय के क्या कारण थे? विस्तृत विचार कीजिए। 15

3. भारत के शास्त्रीय नृत्यों पर एक टिप्पणी लिखिए। 15

4. भारतीय रंगमंच पर लोक रंगमंच के प्रभावों की चर्चा कीजिए। समुचित उदाहरण भी दीजिए। 15

5. प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत की मुख्य स्थापत्य शैलियों का संक्षिप्त विवरण दीजिए। मध्यकालीन स्थापत्य कला के पॉच उदाहरण भी दीजिये जो प्रमुख पर्यटक आकर्षण केन्द्र हैं। 15

6. सांस्कृतिक पर्यटन के प्रचार–प्रसार में संग्रहालयों की भूमिका एवं दायित्व क्या हैं? 15

7. पर्यटन के प्रचार–प्रसार में सरकार एवं संचार माध्यम किस प्रकार से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं? 15

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियॉ लिखिए– (5X3) = 15
   क) भारत में ऊन बुनाई की प्रौद्योगिकी
   ख) भारत में पर्यटन एवं कबीलाई क्षेत्र
   ग) भूटिया जनजाति
   घ) भारतीय समाज पर बौद्ध मत का प्रभाव

# टीएस 5 : पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन
## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

**पाठ्यक्रम कोडः टीएस–5** **कार्यक्रमः बीटीएस**
**कुल अंकः 100** **सत्रीय कार्य कोडः टीएस–5/टीएमए/2014**

**नोटः** इस अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।

**भाग I** में दो प्रश्न हैं जिनमें से आपको **एक प्रश्न का उत्तर देना है**। यह प्रश्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग 700 शब्दों में दें।

**भाग II** में आठ प्रश्न हैं। **किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए**। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। **अपने टीएमए को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।**

---

**भाग – I**

1. अ–जैविक पर्यावरण के विभिन्न घटकों की उदाहरण सहित विस्तृत विवेचना कीजिए। समय के साथ ये किस प्रकार परिवर्तित हुए हैं? 25

**अथवा**

2. पर्यावरण और पर्यटन–विकास के बीच के जटिल सम्बन्धों एवं जुड़ावों पर विचार कीजिए। 25

---

**भाग–II**

1. दलदल क्या है? इसके प्रमुख पारिस्थितिक कार्य क्या हैं? 15

2. उत्तरदायित्वपूर्ण पर्यटन के विकास एवं प्रचार–प्रसार में प्रमुख स्वामित्वधारकों की विभिन्न भूमिकाओं पर विचार कीजिए। 15

3. उन प्रमुख घटकों की व्याख्या कीजिए जिनको एक गंतव्य के पर्यटन हेतु बनाए जाने वाले मास्टर–प्लान में सम्मिलित करना आवश्यक है। 15

4. भारत के जैविक क्षेत्रों एवं उनकें द्वारा समर्थित वन्यजीवन पर विचार कीजिए 15

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियॉ लिखिए– (5X3) = 15
   क) स्थलीय बायोम
   ख) प्रकृति में प्राथमिक भोजन–श्रृंखला
   ग) प्राकृतिक समुदायों की विशेषताएँ

6. पर्यटन के लिए आवश्यक मूलभूत संसाधनों में होटल एवं आरामगाह प्रमुख घटक क्यों होते हैं? पर्यावरण–क्षय को रोकने मे होटल–उद्योग के विभिन्न हितधारकों की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 15

7. पर्यटन का उपयोग संरक्षण हेतु एक महत्वपूर्ण उपकरण के रुप में कैसे किया जा सकता है? विचार कीजिए। 15

8. क्षेत्रीय वातावरण पर पड़ने वाले पर्यटन के प्रमुख नकारात्मक प्रभाव क्या हैं? इनसे बचाव हेतु किए जा सकने वाले उपायों के बारे में सुझाव दीजिए। 15